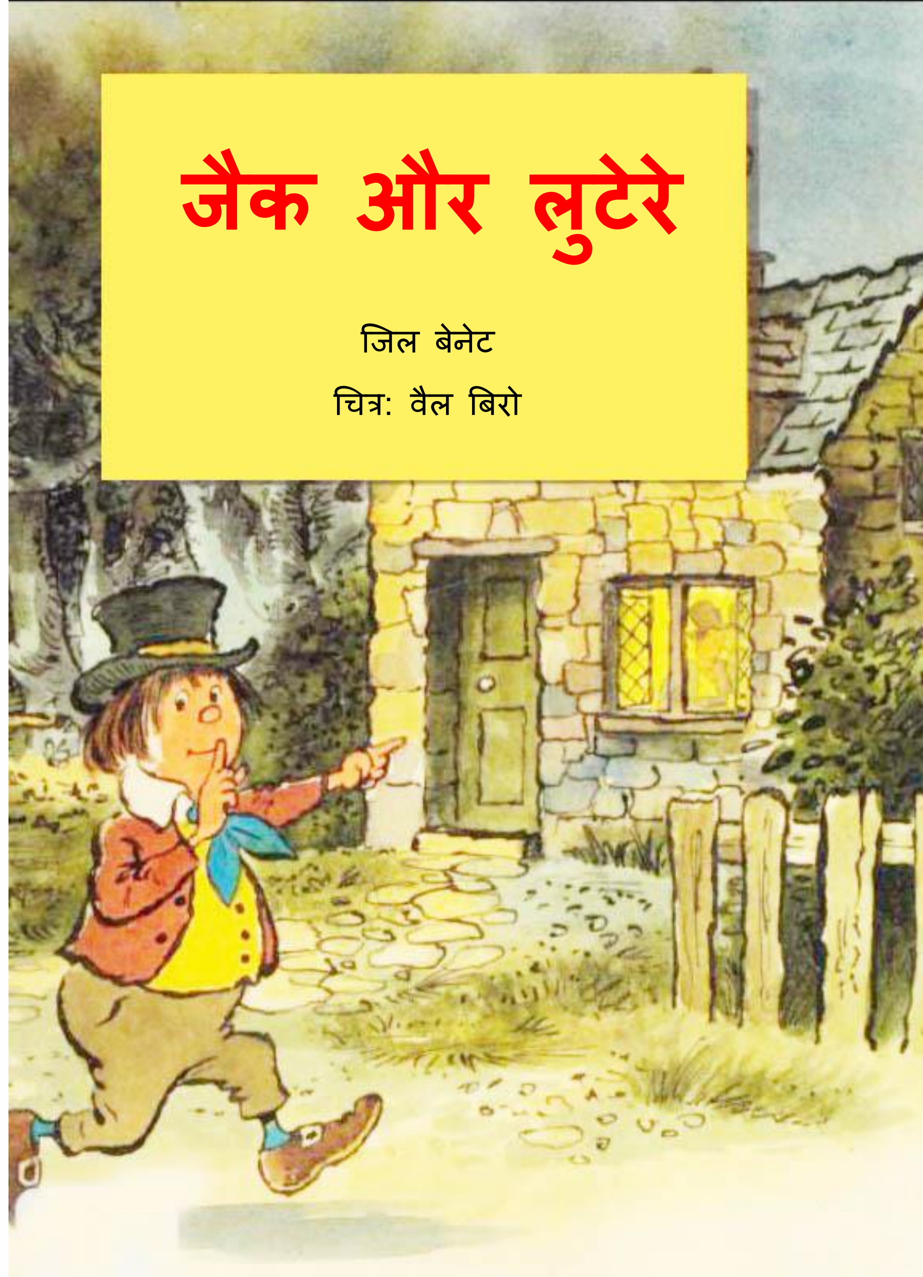


जैक और लुटेरे

जिल बेनेट

चित्र: वैल बिरो

जैक और लुटेरे

जिल बेनेट

चित्र: वैल बिरो







एक बार की बात है जैक नाम का एक लड़का था. एक सुबह वह अपना भाग्य तलाशने निकला.

वह कुछ दूर ही गया था कि उसे एक बिल्ली मिली.

“जैक, तुम कहाँ जा रहे हो?” बिल्ली ने पूछा.

“मैं अपना भाग्य तलाशने जा रहा हूँ.”

“क्या मैं तुम्हारे साथ चल सकती हूँ?”

“हाँ,” जैक ने कहा,

“देखो, जितने ज़्यादा लोग होंगे उतना ही अच्छा होगा.”

तो वे आगे बढ़ते गए, फटा-फट, फटा-फट.

वे थोड़ा आगे बढ़े तो उन्हें एक कुत्ता मिला.

“जैक, तुम कहाँ जा रहे हो?” कुत्ते ने पूछा.

मैं अपना भाग्य तलाशने जा रहा हूँ.”

“क्या मैं तुम्हारे साथ चल सकता हूँ?”

“हाँ,” जैक ने कहा,

“देखो, जितने ज़्यादा लोग होंगे उतना ही अच्छा होगा.”

तो वे आगे बढ़ते गए, फटा-फट, फटा-फट.



वे थोड़ा आगे बढ़े तो उन्हें एक बकरी मिली.

"तुम कहाँ जा रहे हो, जैक?" बकरी ने पूछा.

मैं अपना भाग्य आजमाने जा रहा हूँ."

"क्या मैं तुम्हारे साथ चल सकती हूँ?"

"हाँ," जैक ने कहा,

"देखो, जितने ज़्यादा लोग होंगे उतना ही अच्छा होगा."

तो वे आगे बढ़ते रहे, फटा-फट, फटा-फट.



वे थोड़ा आगे बढ़े तो उन्हें एक बैल मिला.

"तुम कहाँ जा रहे हो, जैक?" बैल ने पूछा.

मैं अपना भाग्य आजमाने जा रहा हूँ."

"क्या मैं तुम्हारे साथ चल सकता हूँ?"

"हाँ," जैक ने कहा,

"देखो, जितने ज़्यादा लोग होंगे उतना ही अच्छा होगा."

तो वे आगे बढ़ते रहे, फटा-फट, फटा-फट.

वे थोड़ा आगे बढ़े और उन्हें एक मुर्गा मिला.

“तुम कहाँ जा रहे हो, जैक?”

मुर्गे ने पूछा.

मैं अपना भाग्य आजमाने जा रहा हूँ.”

“क्या मैं भी तुम्हारे साथ चल सकता हूँ?”

“हाँ,” जैक ने कहा,

“देखो, जितने ज़्यादा लोग होंगे उतना ही अच्छा होगा.”

तो वे चलते रहे, फटा-फट, फटा-फट.

वे तब तक चलते रहे जब तक

कि लगभग अंधेरा नहीं हो गया.

फिर वे रात बिताने के लिए कोई

जगह तलाशने लगे.

जल्द ही उन्हें एक घर दिखाई दिया. जैक ने दूसरों से कहा कि वे चुपचाप खड़े रहें, जबकि उसने जाकर खिड़की में से अंदर झाँका.



घर में उसने कुछ लुटेरों को सोने
के सिक्के गिनते हुए देखा.

इसलिए जैक वापस आया और उसने अपने साथियों से कहा कि वे उसके इशारे की प्रतीक्षा करें, और फिर जितना हो सके उतना शोर मचाएँ.

जब वे तैयार हो गए तो जैक ने उन्हें इशारा किया.

दहाड़

भौं!-भौं!

मैं! मैं!

कुकड़ू-कूं

म्याऊँ

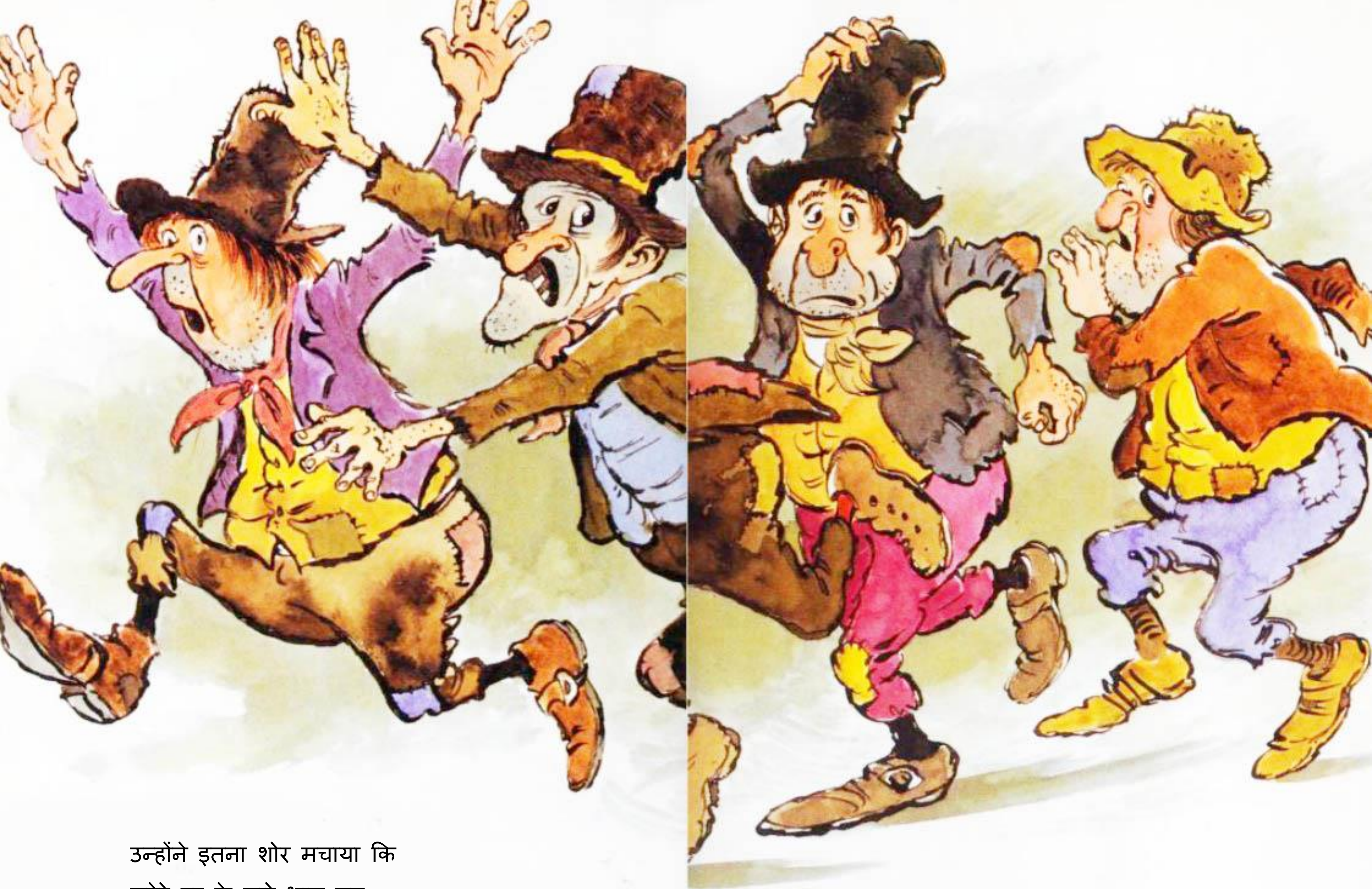
बिल्ली ने कहा म्याऊँ.

कुत्ता भौंका.

बकरी मिमियाई.

बैल ने दहाड़ लगाई.

मुर्गे ने बाँग दी.



उन्होंने इतना शोर मचाया कि
लुटेरे डर के मारे भाग गए.

फिर वे घर के अंदर गए.
जैक को शक था कि लुटेरे रात में ज़रूर वापस आएँगे.

इसलिए जब सोने का समय हुआ तो उसने बिल्ली को रॉकिंग-चेयर में, कुत्ते को टेबल के नीचे,



बकरी को ऊपर, बैल को तहखाने में छिपा दिया.
मुर्गा छत पर उड़ गया और जैक सो गया.

आधी रात को लुटेरों ने एक आदमी को पैसे लाने के लिए घर में वापस भेजा.

वह आदमी जल्द ही बेहद डरा हुआ दौड़ता हुआ वापस लौटा और उसने सबको यह बताया.

“मैं घर में गया

और मैंने रॉकिंग-चेयर में बैठने की कोशिश की.

लेकिन वहाँ एक बूढ़ी औरत बुनाई कर रही थी

और उसने अपनी सिलाईयाँ मुझमें चुभो दीं.”

बेशक वह बिल्ली थी.

दूसरे ने कहा,

“मैं पैसे लेने के लिए टेबल पर गया, लेकिन टेबल के नीचे एक मोची था और उसने अपनी कैंची मुझमें चुभो दी.”

बेशक वह कुत्ता था.

तीसरे के कहा,

“मैंने सीढ़ियों से ऊपर जाने की कोशिश की, लेकिन वहाँ एक आदमी गेहूं से भूसी निकाल रहा था और उसने मुझे अपने डंडे से मुझे नीचे गिरा दिया.”

बेशक वह बकरी थी.

चौथे ने कहा,

“मैंने तहखाने में जाने की कोशिश की,
लेकिन वहाँ एक आदमी था और उसने
मुझे अपनी कुल्हाड़ी से नीचे गिरा दिया.”

बेशक वह बैल था.



“लेकिन सबसे बुरी बात यह थी कि छत पर एक छोटा सा आदमी था जो लगातार चिल्ला रहा था,

“उसे मेरे पास लेकर आओ!

उसे मेरे पास लेकर आओ!”

और वह, ज़ाहिर है,

कुकड़ू-कूं करने वाला मुर्गा था.

फिर सभी लुटेरे भाग गए

और जैक और उसके दोस्त अमीर हो गए.



अंत